# भाषा शिक्षण एक कला

# पत्र लेखन

सौजन्य:


## कंचन वासन

## अध्यापिका

## सरकारी कन्या हाई स्कूल

## शाहकोट ( जालंधर)


घर पर रहें स्वस्थ रहें

# अपनी माता जी को वार्षिक परिणाम का विवरण देते हुए पत्र लिखें।

छात्रावास,
..... स्कूल,
.....शहर।
06 मई, 2020
आदरणीय माता जी,
नमस्कार।
मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और आशा करती हूँ कि आप भी सकुशल होंगे। वार्षिक परीक्षा समाप्त होने के बाद दस दिन के लिए हमारा एन.एस.एस. का कैंप लग गया था। कल ही कैंप खत्म हुआ और आज सुबह ही मेरी वार्षिक परीक्षा का नतीजा आ गया।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि हर बार की तरह मैं इस बार भी पूरे स्कूल में आठवीं कक्षा में प्रथम आयी हूँ। गणित, विज्ञान और हिंदी विषयों में तो मेरे शत प्रतिशत अंक आये हैं। यह सब आपके और पिता जी के स्नेह और आशीर्वाद का फल है।

अब मैं नौवीं कक्षा में हो गयी हूँ, मुझे नयी किताबें, कॉपियाँ इत्यादि खरीदनी हैं। मेरे मित्र मुझसे स्कूल में प्रथम आने की पार्टी भी माँग रहे हैं अत: आप मुझे 2000/- रुपये का मनीऑर्डर भेजने का कष्ट करें। पिता जी को प्रणाम व कोमल को ढेर सारा प्यार देना।

आपकी लाडली,
.....

कंचन वासन
शाहकोट

# अपने पुराने स्कूल के अध्यापक को पत्र लिखिए जिसमें उन्हें अच्छा पढ़ाने के लिए साधुवाद प्रकट किया गया हो तथा भविष्य में मार्गदर्शन की अपेक्षा की गयी हो।

परीक्षा भवन,
.....शहर।
8 मई,2o2o
आदरणीय गुरु जी,
नमस्कार।

मैं आपकी एक पुरानी छात्रा हूँ। मैं आपसे सरकारी मिडल स्कूल, मोगा में आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। मेरा नाम सुनीता है उस समय मेरा कक्षा का रोल नंबर पाँच था।

आप हमें गणित पढ़ाते थे। आपके द्वारा हमें बड़ी लगन और मेहनत से पढ़ाया जाता था। आप हमें बहुत ही सरल व व्यावहारिक ढंग से पढ़ाते थे इसके अतिरिक्त आप हमें बहुत ही ज्ञानवर्धक बातें भी बताते थे।

आज मैं सरकारी हाई स्कूल शाहकोट में पढ़ रही हूँ। मेरे आज भी गणित में शत-प्रतिशत नम्बर आते हैं। मेरी गणित की अध्यापिका भी मुझसे बहुत खुश हैं मैंने उन्हें आपके तथा आपके पढ़ाने के ढंग के बारे में बताया तो वह भी बहुत प्रभावित हुई।

मैं और मेरा परिवार यही मानते हैं कि यह सब आप ही के द्वारा उचित रूप में दी जाने वाली शिक्षा का परिणाम है। मैं भविष्य में भी आपसे उचित मार्गदर्शन की अपेक्षा रखती हूँ।

धन्यवाद।
आपकी शिष्या,
नाम.....

कंचन वासन
शाहकोट